2030 तक फूड बास्केट बनेगा प्रदेश : सीएम

वाराणसी के इरी सार्क में आयोजित डायरेक्ट सीडेड राइस कान्क्लेव में बोले मुख्यमंत्री

जासं, वाराणसी : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को कहा कि उत्तर प्रदेश 2030 तक देश का फूड बास्केट बनेगा। उन्होंने कहा कि किसानों को समय से तकनीक और बीज उपलब्ध कराए जाएं तो प्रदेश वर्तमान से तीन गुणा अधिक उत्पादन करने में सक्षम है। वर्ष 2029-30 तक प्रदेश को एक ट्रिलियन डालर की अर्थव्यवस्था बनाने में कृषि क्षेत्र की सबसे बड़ी भूमिका होगी। इसके लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अंतरराष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान (इरी) व इंटरनेशनल पोटैटो सेंटर (सीआइपी) जैसे संस्थानों के सहयोग से सेंटर आफ एक्सीलेंस स्थापित किए जाएंगे। योगी इरीके दक्षिण एशिया क्षेत्रीय केंद्र (सार्क) में आयोजित डायरेक्ट सीडेड राइस (डीएसआर) कान्क्लेव को संबोधित कर रहे थे।

योगी ने काशी के आध्यात्मिक और सांस्कृतिक महत्व का उल्लेख करते हुए कहा कि भगवान विश्वनाथ की नगरी और उनके सहयोगी वृषभ हमें उन्नत खेती की ओर प्रेरित करते हैं। 'अन्नं बहु कुर्वीत, तद् व्रतम्' की परंपरा को आगे बढ़ाना ही हमारा संकल्प है। अच्छी कृषि के लिए उर्वरता, सिंचाई व पर्याप्त धूप सबसे आवश्यक हैं। इन तीनों दृष्टियों से भारत अत्यंत संपन्न है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के पास खेती योग्य 11 प्रतिशत भूभाग व देश की कुल आबादी की 17 प्रतिशत जनसंख्या है, लेकिन देश के कुल खाद्यान्न उत्पादन में 21 प्रतिशत भागीदारी है। धान, गेहूं, गन्ना, आलू, दलहन और तिलहन की खेती में हम अग्रणी हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यहां राज्य सरकार के चार, केंद्र सरकार के दो और एक निजी कृषि विश्वविद्यालय हैं। किसानों को 89 कृषि विज्ञान केंद्र तकनीकी सहायता दे रहे हैं। 2018 में वाराणसी में इरी का दक्षिण एशिया केंद्र खुलने के बाद धान की विभिन्न किस्मों पर शोध हो रहा है। लखनऊ में पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह के नाम पर 250 एकड़ में सीड पार्क स्थापित किया जाएगा। जलवायु परिवर्तन को ध्यान में रखते हुए यह बीज पार्क किसानों को बेहतर बीज उपलब्ध कराएगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि आगरा में जल्द इंटरनेशनल पोटैटो सेंटर स्थापित होगा।

कपड़ा बनाएंगी महिलाएं, पहनेगी पूरी दुनिया : मुख्यमंत्री ने इससे पहले श्रीअन्नपूर्णा ऋषिकुल ब्रह्मचर्याश्रम संस्कृत महाविद्यालय में 250 महिलाओं को सिलाई मशीन और छात्रों को लैपटाप वितरित किए। महिला शक्ति को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि हम ऐसा कर रहे हैं कि महिलाएं कपड़ा बनाएंगी और पूरी दुनिया पहनेगी। काशी अन्नपूर्णा अन्न क्षेत्र ट्रस्ट द्वारा संचालित सिलाई-कढ़ाई एवं कंप्यूटर प्रशिक्षण केंद्र के 14वें सत्रांत के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए योगी ने कहा कि कृषि के बाद हमारे देश में सर्वाधिक अवसर वस्त्र उद्योग में है।

कहा कि इसके संवर्धन के लिए सरकार हर स्तर पर प्रयास कर रही हैं। फ्लैटेड फैक्ट्री की अवधारणा विकसित की जा रही है। इसके तहत भवन के किसी भी मंजिल पर वस्त्र निर्माण फैक्ट्री और शोरूम खोला जा सकता है। संत कबीर के नाम पर प्रत्येक जिले में पार्क बनाने जा रहे हैं, जहां एक ही छत के नीचे युवाओं को वस्त्र उद्योग से संबंधित रोजगार के सभी अवसर उपलब्ध होंगे। राजधानी लखनऊ में 1100 एकड़ में वस्त्र मित्र पार्क विकसित कर रहे हैं, जहां कपड़ा संबंधी उद्योग के सभी कार्य और निर्यात आदि की सुविधा होगा।

शास्त्रीय गायक पंडित छन्नू लाल मिश्रा के घर जाकर उन्हें श्रद्धांजलि देते सीएम योगी आदित्यनाथ ● सूचना विभाग

- कहा, 2030 तक एक ट्रिलियन डालर अर्थव्यवस्था का लक्ष्य, कृषि क्षेत्र की भूमिका अहम
- कहा, लखनऊ में पूर्व पीएम चौधरी चरण सिंह के नाम पर स्थापित होगा 250 एकड़ में सीड पार्क

पद्म विभूषण पं. छन्नूलाल मिश्र को दी श्रद्धांजलि

मुख्यमंत्री हाल में ही दिवंगत महान शास्त्रीय गायक पद्म विभूषण पं. छन्नूलाल मिश्र के आवास पर भी गए और उनकी तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की। पं. मिश्र के स्वजन से मिलकर संवेदना व्यक्त की और उन्हें भारतीय शास्त्रीय व लोक परंपरा का महान गायक बताया।